ICAI की उत्तर भारत क्षेत्रीय परिषद् की गुरुग्राम शाखा

का वर्चुअल कॉन्क्लेव

—

03/10/2020

—

➢ ICAI की उत्तर भारत क्षेत्रीय परिषद् की गुरुग्राम शाखा द्वारा आयोजित इस वर्चुअल कार्यक्रम में मुझे आप सभी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स से जुड़कर बड़ी प्रसन्नता हो रही है। मेरी आशा है कि आज की विषम परिस्थितियों में आप सब कुशल होंगे और अपना कार्य निष्ठा और प्रतिबद्धता से कर रहे होंगे।

➢ ICAI विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संगठनों में है जिसकी स्थापना संसद के द्वारा वर्ष 1949 में पारित अधिनियम के माध्यम से की गयी थी। इसका उद्देश्य चार्टर्ड एकाउंटेंसी का रेगुलेशन था। अपने अस्तित्व के 70 वर्षों में इस संस्था ने भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संगठनों में अपना स्थान बनाया है।

➢ साथियों, आज के कॉन्क्लेव का विषय **'उद्भव : क्रिएटिव लर्निंग सीरीज'** रखा गया है। आज का युग टेक्नोलॉजी का युग है। तकनीक हमारे जीवन का हिस्सा बन गया है। एक सहज और आधारभूत सुविधायुक्त जीवन की कल्पना टेक्नोलॉजी के बिना नहीं की जा सकती है। अपने आवास पर, कार्य स्थल पर, मनोरंजन की दुनिया में हर स्थान पर टेक्नोलॉजी विद्यमान है और जटिल कार्यों को आसान बना रहा है। सरकारी तंत्र भी इससे अछूता नहीं है।

➢ राजस्व और कराधान के क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी के उपयोग की विशाल संभावनाएं हैं। टेक्नोलॉजी के प्रयोग से सम्पूर्ण कर संग्रह प्रक्रिया को और अधिक कुशल और प्रभावी बनाया जा सकता है। राजस्व की वृद्धि करना और आसान हो जाता है। हाल ही में GST की प्रणाली लागू की गयी है जो पूरी तरह से टेक्नोलॉजी पर आधारित है।

➢ परन्तु टेक्नोलॉजी को प्रभावी होने के साथ-साथ सरल भी होना चाहिए ताकि सामान्य व्यक्ति भी उनका उपयोग बिना किसी कठिनाई के कर सके। आज के टेक्नोलॉजी डेवेलपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती है।

➢ केंद्र सरकार ने तेजी से बदलते परिदृश्यों और उभरती हुई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नवाचारों पर बल दिया है। स्मार्ट सिटी, स्टार्ट अप इंडिया, डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों के माध्यम से युवा ऊर्जा को देश के विकास की दिशा में मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

➢ **कोरोना महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों ने ग्लोबल सप्लाई चेन पर विपरीत प्रभाव डाला था जिसके कारण अर्थव्यवस्था और जीविका दोनों ही प्रभावित हुए।** इस चुनौती का मुक़ाबला करने के लिए और देश को आर्थिक क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने के लिए आत्म निर्भर भारत आंदोलन की शुरुआत की गयी है। यह न सिर्फ देश की विदेशी उत्पादों और निर्माताओं पर निर्भरता काम करेगा बल्कि देश को ग्लोबल सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण अंग भी बनाएगा।

➢ इस उद्देश्य की प्राप्ति में MSME सेक्टर की अहम् भूमिका है। MSME सेक्टर आज देश की अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र पिछले 5 दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण, शक्तिशाली एवं गतिशील सेक्टर के रूप में उभरा है।

➢ यह क्षेत्र कम पूंजीगत लागत पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करके तथा रोजगार के अवसर सृजित कर के देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

➢ **आज देश में 6 करोड़ से भी अधिक MSME उद्यम हैं जो अधिकांश निर्माण और व्यवसाय के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इनके माध्यम से 11 करोड़ से भी अधिक लोगों को रोज़गार की प्राप्ति हो रही है।**

➢ मैं आज के कार्यक्रम के आयोजकों को एक समसामयिक विषय का चयन करने के लिए बधाई देता हूँ।

➢ आज की परिस्थितियां देश की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत कठिन हैं। कोरोना महामारी ने विश्व भर में करोड़ों लोगों को प्रभावित किया है। हमारे देश की आर्थिक गतिविधियों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ा है।

➢ **संकट की इस घड़ी में सरकारें तो अपना काम कर रही हैं, पर सबसे बड़ी बात ये है कि इस संघर्ष में पूरे देश की जनता ने अभूतपूर्व संयम, संकल्प और साहस का परिचय दिया है। समाज के सभी वर्गों ने पूरी एकजुटता और प्रतिबद्धता से इस लड़ाई में देश का साथ दिया है।**

➢ मैं विशेष तौर पर उन सभी कोरोना योद्धाओं, जिनमें डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्यकर्मी, सफाइकर्मी, पुलिसकर्मी, स्वयंसेवक तथा प्लाज्मा दान करने वाले भी सम्मिलित हैं, इन सबके योगदान और बलिदान को नमन करता हूँ।

➢ इस बीमारी की रोकथाम के लिए किये गए लॉकडाउन से संक्रमण की गति को कम करने में सफलता तो मिली है, लेकिन इसका आर्थिक क्षेत्र पर बुरा प्रभाव भी पड़ा है।

➢ केंद्र सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए कई आवश्यक कदम उठाये हैं। यह बदलाव वैधानिक स्तर पर भी किए जा रहे हैं और प्रशासनिक स्तर पर भी।

➢ **'आत्म निर्भर भारत'** अभियान ऐसी ही एक मजबूत पहल है, जो वर्तमान परिस्थितियों में हमारी अर्थव्यवस्था के लिए संजीवनी का काम करेगी। ऐसी स्थिति में, छोटे-छोटे उद्योग धंधों को सहारा देना सबसे महत्वपूर्ण है। इसीलिए MSME क्षेत्र के लिए बहुत-सी प्रोत्साहन योजनाएं आरम्भ की गयी हैं।

➢ कई नए आर्थिक क्षेत्रों को निजी उद्यमियों के लिए खोल दिया गया है। **'वोकल फॉर लोकल'** आज एक नारा ही नहीं, बल्कि जन आंदोलन बन गया है।

➢ देश में स्टार्ट अप्स, यूनीकॉर्न कंपनियों और युवा उद्यमियों के लिए बेहतर वातावरण बनाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

➢ कृषि क्षेत्र में सुधार, रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी, सरकारी कंपनियों के निजीकरण और बैंकिंग क्षेत्र में नए सुधारों के माध्यम से देश एक नई आर्थिक क्रांति की राह पर अग्रसर हो रहा है।

➢ **विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में सुधार के कारण और निजी कंपनियों के लिए बेहतर वातावरण की व्यवस्था होने से आज बड़ी-बड़ी विदेशी कंपनियां भी भारत में निर्माण और व्यवसाय आरम्भ कर रही हैं।**

➢ ये सारे प्रयास एक नए भारतवर्ष के निर्माण के उद्देश्य से किये जा रहे हैं। एक ऐसा भारत जो 21वीं सदी के लिए तैयार हो और आज की पीढ़ी की आशाओं और महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हो।

➢ इन तमाम प्रयासों की सफलता आप सबके सक्रिय योगदान के बिना संभव नहीं हो सकती। इस नए भारत के निर्माण में आप की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। **क्योंकि आप देश की अर्थव्यवस्था के शिल्पकार हैं।**

➢ **आप देश के फाइनेंशियल गाइड हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट कोई रूटीन बही खाता लिखने वाला या उनकी निगरानी करने वाला सामान्य व्यक्ति नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण का ध्वजवाहक है।** आप इस संस्थान से निकलकर किसी व्यवसायी या कम्पनी की नौकरी नहीं करते, बल्कि राष्ट्रीय राजकोष के प्रहरी बन जाते हैं।

➢ **आप देश की अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाली संस्था हैं। आप राजकोष के रक्षक भी हैं और देश की जनता की ओर से सरकार के कुशल वित्त प्रशासन पर पैनी नज़र रखने वाले पारखी भी हैं।** मैं मानता हूँ कि अगर हम वित्त प्रबंधन की ठीक से निगरानी करें तो कई समस्याएं स्वयं ही सुलझ जाएंगी। इसके लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट को मुस्तैदी से काम करना आवश्यक है।

➢ **आप देश के ठोस आर्थिक एवं वित्तीय तंत्र के स्तम्भ हैं। आप यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेते हैं कि आर्थिक और वित्तीय प्रणाली दुरूस्त रहे और किसी कदाचार और भ्रष्टाचार से ग्रस्त न हो। आप देश की तरफ से आर्थिक शुचिता और ईमानदारी के लिए कार्य करते हैं।**

➢ कोई भी देश सही अर्थों में उन्नत तभी हो सकता है जब वहां भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराध तथा धोखाधड़ी के मामलों को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जाए। इन क्षेत्रों में आपकी भूमिका बहुत अधिक महत्वपूर्ण है।

➢ सरकार राष्ट्र निर्माण के लिए टैक्स के माध्यम से धन एकत्र करती है। आपको यह सुनिश्चित करना है कि सभी कंपनियां और सभी उद्यमी, सभी प्रकार के टैक्स का सही और नियत समय पर भुगतान करें।

➢ आप वित्तीय मामलों में विशेषज्ञ हैं और व्यवसायियों एवं कम्पनियों का वित्तीय मार्गदर्शन करते हैं। यदि उनसे जाने-अनजाने में कोई वित्तीय अनियमितता होती है तो आपका दायित्व उसे छुपाने का नहीं, बल्कि उन्हें सही मार्ग दिखाने का है। यह आपकी पेशेवर जिम्मेदारी भी है और नैतिक जिम्मेदारी भी।

➢ अपनी वित्तीय विशेषज्ञता का प्रयोग करते हुए आप राष्ट्र को आगे बढ़ाने में, औद्योगिक विकास में और देश की समृद्धि के मार्ग को सही दिशा में ले जाने में समर्थ हैं।

➢ **साथियो, वर्तमान कालखंड कोरोना के साथ-साथ परिवर्तन का भी कालखंड है। जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि कोरोना भी है, और कर्त्तव्य भी है।**

➢ वर्तमान परिस्थितियों में मेरा मानना है कि जब छोटे उद्योगों में निवेश बढेगा, सूक्ष्म और मध्यम उद्योग अपने पैरों पर खडे होंगे, एमएसएमई सेक्टर का नवनिर्माण होगा, तब आपके योगदान की बडी आवश्यकता होगी। इसमें न सिर्फ युवाओं के रोजगार के अवसर बढेंगे बल्कि नई आर्थिक गतिविधियों के दिशा-निर्देशन में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

➢ साथियो, वर्तमान आर्थिक गिरावट अस्थायी है और मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार के सद्प्रयासों, छोटे उद्यमियों की भागीदारी एवं लोगों के सक्रिय सहयोग से हम बहुत जल्द अपने विकास दर को न सिर्फ प्राप्त करेंगे, बल्कि उसे पार भी करेंगे।

➢ **सन 2024 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य आज भले ही कठिन लग रहा है, परन्तु इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता कम नहीं हुई है।**

➢ मैं आप सबको पुनः शुभकामनाएं देता हूँ, राष्ट्र के आर्थिक प्रहरी के रूप में आपके कार्यों की सराहना करता हूँ और आपके उज्ज्वल भविष्य एवं सफलता की कामना करता हूँ। आप सब स्वस्थ रहें, प्रसन्न रहें और राष्ट्र निर्माण के कार्य में संलग्न रहें।

जय हिन्द।